श्याम तेरा क्या फर्ज नहीं भक्तो के घर आने का लिरिक्स

मुरली वाले सुनियो जी,
एक सवाल दीवाने का,
अगर समझ में आ जाए,
भक्तो को समझाने का,
हमने अपना नियम निभाया,
खाटू आने जाने का,
श्याम तेरा क्या फर्ज नहीं,
भक्तो के घर आने का।bd।

जिसका घर छोटा सा हो,
क्या उसके घर नहीं जाते,
रोटी रुखी सुखी हो,
क्या उसके घर नहीं खाते,
क्या मेरा हक नहीं बनता है,
तुमको घर बुलाने का,
श्याम तेरा क्यां फर्ज नहीं,
भक्तो के घर आने का।bd।

नियम यही है दुनिया का,
दुश्मन के घर नहीं जाते,
या फीर छोटी जात का हो,
करके बहाना टरकाते,
इसके अलावा कोई भी हो,
नियम है आने जाने का,
श्याम तेरा क्यां फर्ज नहीं,
भक्तो के घर आने का।bd।

जिसका जिसका घर देखा,
वो क्या तेरे लगते थे,
रिश्तेदारी में कान्हा,
वो क्या हमसे बढ़के थे,
इतना बता दो क्या लोगे तुम,
उनके जैसे बनाने का,
श्याम तेरा क्यां फर्ज नहीं,
भक्तो के घर आने का।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ऐसा रास्ता ढूंढ लिया,
रोज़ मिलेंगे 'बनवारी',
दंग रह जाएगा कान्हा,
देख मेरी तू समझदारी,
पक्का सोच लिया अपना घर,
खाटू में बनवाने का,
श्याम तेरा क्यां फर्ज नहीं,
भक्तो के घर आने का।bd।

मुरली वाले सुनियो जी,
एक सवाल दीवाने का,
अगर समझ में आ जाए,
भक्तो को समझाने का,
हमने अपना नियम निभाया,
खाटू आने जाने का,
श्याम तेरा क्या फर्ज नहीं,
भक्तो के घर आने का।bd।

स्वर / रचना – श्री जयशंकर जी चौधरी।
प्रेषक – सचिन गोयल।
9896462682

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com